भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3254
जिसका उत्तर मंगलवार 06 दिसम्बर, 2016 को दिया जाना है

पूंजीगत वस्तु क्षेत्र की उत्पादन तथा विकास दर

3254. श्री रवीन्द्र कुमार जेना:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) समग्र विनिर्माण क्षेत्र में पूंजीगत वस्तु उद्योग का प्रतिशत हिस्सा कितना है तथा कुछ वर्षों के दौरान इसमें कितनी वृद्धि या गिरावट आई है;
(ख) कुछ वर्षों के दौरान पूंजीगत वस्तु क्षेत्र की उत्पादन तथा विकास दर क्या रही;
(ग) क्या 16.8 प्रतिशत की लक्षित विकास दर को प्राप्त कर लिया गया है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) पिछले कुछ दशकों के बाद से अंतरराष्ट्रीय पूंजीगत वस्तु निर्यात में भारत का हिस्सा कितना है; और
(ङ) पिछले दशक की तुलना में पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में आयात का हिस्सा कितना रहा?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) से (ग): समग्र विनिर्माण क्षेत्र में पूंजीगत वस्तु उद्योग का हिस्सा लगभग 12% है।

जहां तक, पूंजीगत वस्तु उद्योग का संबंध है, पिछले वर्षों की वृद्धि दर निम्नवत है:

2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
-6.3%	-3.7%	6.3%	2.9%

(स्रोत: सीएसओ)

इस क्षेत्र में वांछनीय वृद्धि प्राप्त नहीं की जा सकी। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का अभाव, कुशल श्रमशक्ति का अभाव, अपर्याप्त अवसंरचनात्मक सुविधा, मानकीकरण और परीक्षण सुविधाओं का अभाव जैसे प्रमुख कारणों से भारतीय पूंजीगत वस्तु उद्योग का विकास प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा, समग्र आर्थिक मंदी, ऑटो क्षेत्र और निर्माण एवं खनन क्षेत्र की मांग में गिरावट भी पूंजीगत वस्तु उद्योग के विकास में गिरावट का कारण रहे हैं।

(घ) और (ङ): पिछले दशकों में विशेष रूप से वैश्विक पूंजीगत वस्तुओं के निर्यात अथवा आयात में भारत के हिस्से के तुलनात्मक आंकड़ें उपलब्ध नहीं हैं। तथापि, पूंजीगत वस्तुओं के वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा सामान्यतः 1% से कम रहा है।

****